सितम्बर, 2006 को समाप्त तिमाही के लिए भारत का विदेशी ऋण

वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
विदेशी ऋण प्रबंधन एकक
दिसम्बर, 2006
www.finmin.nic.in

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

1.	प्रस्तावना	1
2.	विदेशी ऋण स्टॉक	1
3.	विदेशी ऋण संकेतक	3
4.	विदेशी ऋण और विदेशी मुद्रा परिसम्पत्तियां	3
5.	मुद्रा संरचना	3
6.	विदेशी ऋण प्रबन्धन	4

चित्र

1.	सितम्बर-अंत, 2006 में भारत के विदेशी ऋण की संरचना	2
2.	सरकारी और गैर-सरकारी विदेशी ऋण का भाग	2
3.	सितम्बर-अंत, 2006 में भारत के विदेशी ऋण की मुद्रा संरचना	4

विषयगत सारणियां

1.	भारत का विदेशी ऋण	1
2.	भारत के प्रमुख विदेशी ऋण संकेतक	3
3.	भारत के विदेशी ऋण की मुद्रा संरचना	3

अनुबंध

अनुबंध-I	भारत का बकाया विदेशी ऋण- (त्रैमासिक - करोड़ रुपए)	5
अनुबंध-II	भारत का बकाया विदेशी ऋण- (त्रैमासिक - मिलियन अमरीकी डालर)	7

सितम्बर-अंत, 2006 को समाप्त तिमाही के संबंध में भारत का विदेशी ऋण

1. प्रस्तावना

1.1 अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के विशेष आंकड़ा प्रसार मानकों (एसडीडीएस) का अनुपालन करने के लिए, सदस्य देश तिमाही आधार पर विदेशी ऋण संबंधी आंकड़े प्रसारित करते हैं। आईएमएफ के एसडीडीएस के अभिदाता के रूप में भारत सितम्बर 2003 के अन्त में बकाया ऋण संबंधी आंकड़ों से शुरु करके, संदर्भ तिमाही के समापन से तीन माह के भीतर, तिमाही आधार पर विदेशी ऋण के आंकड़े प्रकाशित कर रहा है। वर्तमान प्रकाशन सितम्बर 2006 के अन्त में भारत के विदेशी ऋण स्टाक से संबंधित हैं।

2. विदेशी ऋण स्टॉक

2.1 भारत के विदेशी ऋण स्टाक में जून-अंत 2006 में 132.2 बिलियन अमरीकी डालर के स्तर से 4.3 बिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि हुई और यह बढ़कर सितम्बर-अन्त 2006 तक 136.5 बिलियन अमरीकी डालर (638,181 करोड़ रू.) हो गया। **(सारणी-1**) सितम्बर 2006 के अन्त में बकाया विदेशी ऋण में वृद्धि अनिवार्यतया विदेशी वाणिज्यिक उधारों, अनिवासी भारतीय जमाराशियों और अल्पावधिक ऋण में बढ़ोतरी के कारण हुई थी। सितम्बर 2006 के संबंध में रुपए तथा अमरीकी डालर मूल्य दोनों में बकाया विदेशी ऋण के अलग-अलग आंकड़े तथा पिछली पांच तिमाहियों के आंकड़े क्रमशः अनुबंध-I तथा II में दिए गए हैं।

सारणी 1: भारत का विदेशी ऋण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	निम्नलिखित माह के अंत में बकाया ऋण			परिवर्तन (सम्पूर्ण)		परिवर्तन (प्रतिशत)	
	मार्च 2006 (सं)	जून 2006 (सं)	सित. 2006 (त्व.अ.)	मार्च 06 से सित. 06 (4-2)	जून. 06 से सित. 06 (4-3)	मार्च 06 से सित. 06	जून. 06 से सित. 06
1	2	3	4	5	6	7	8
1. बहुपक्षीय	32,559	33,101	33,594	1,035	493	3.2	1.5
2. द्विपक्षीय	15,727	15,834	15,734	7	-100	0.0	-0.6
3. आईएमएफ	0	0	0	0	0	0.0	0.0
4. निर्यात ऋण	5,395	5,498	5,663	268	165	5.0	3.0
5. वाणिज्यिक उधार	26,849	31,099	32,462	5,613	1,363	20.9	4.4
6. अनिवासी भारतीय जमा(दीर्घावधि)	35,134	35,651	36,563	1,429	912	4.1	2.6
7. रुपया ऋण	2,031	1,915	1,921	-110	6	-5.4	0.3
8. दीर्घावधि ऋण(1से 7)	117,695	123,098	125,937	8,242	2,839	7.0	2.3
9. अल्पावधि ऋण	8,696	9,105	10,579	1,883	1,474	21.7	16.2
10. कुल ऋण (8+9)	**126,391**	**132,203**	**136,516**	**10,125**	**4,313**	**8.0**	**3.3**

सं: संशोधित **त्व.अ.** : त्वरित अनुमान

2.2 संघटकों के संदर्भ में, सितम्बर 2006 के अन्त में 125.9 बिलियन अमरीकी डालर के स्तर पर बकाया दीर्घावधिक ऋण में तिमाही के दौरान 2.8 बिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि देखी गई। दीर्घावधिक ऋण के अंतर्गत, बहुपक्षीय ऋण में 493 मिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि हुई जो द्विपक्षीय ऋणों में 100 मिलियन अमरीकी डालर की गिरावट द्वारा अंशतः प्रतिसंतुलित हो गयी। बकाया निर्यात ऋण में 165 मिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि हुई। 32,462 मिलियन अमरीकी डालर पर वाणिज्यिक उधारों का स्टाक पिछली तिमाही के अंत की तुलना में 1,363 मिलियन अमरीकी डालर अधिक था। जबकि रूपया ऋण मोटे तौर पर पिछली तिमाही के ही स्तर पर बना रहा, अनिवासी भारतीय जमाराशियां 912 मिलियन अमरीकी डालर बढ़कर 36,563 मिलियन अमरीकी डालर हो गईं ।

2.3 अल्पावधिक ऋण व्यापार घाटे में वृद्धि के कारण सितम्बर-अंत 2006 की तिमाही में 16.2 प्रतिशत बढ़ कर 10,579 मिलियन अमरीकी डालर हो गया। व्यापार ऋणों में वृद्धि चालू वर्ष के दौरान उच्च आयात बिल के कारण हो सकती है।

2.4 कुल ऋण स्टॉक में उनके हिस्से के अनुसार, सितम्बर -अंत 2006 में अनिवासी जमा राशियां कुल ऋण का 26.8 प्रतिशत बैठती हैं, इसके बाद बहुपक्षीय ऋण 24.6 प्रतिशत और वाणिज्यिक उधार 23.8 प्रतिशत थे। द्विपक्षीय ऋण का हिस्सा 11.5 प्रतिशत था। निर्यात ऋण और रुपया ऋण का भाग क्रमशः 4.1 और 1.4 प्रतिशत था। अल्पावधिक ऋण का भाग 7.8 प्रतिशत था **(चित्र-1)**।

चित्र-1 : सितम्बर-अंत 2006 में भारत के विदेशी ऋण की संरचना

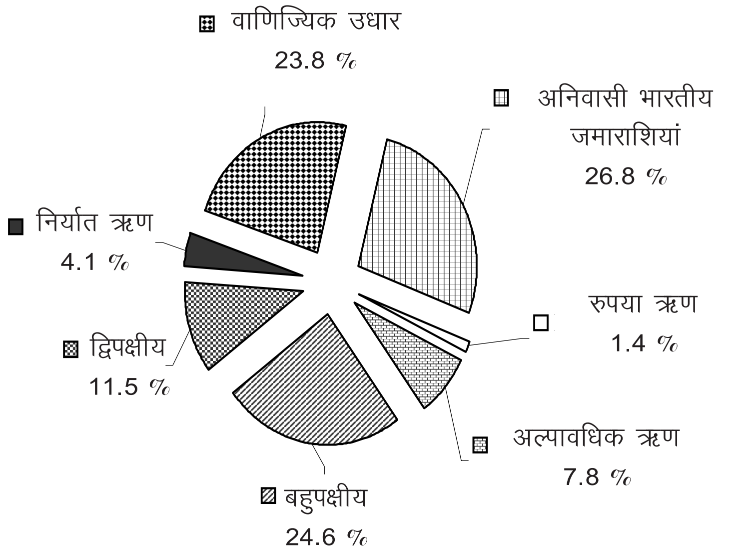

2.5 पिछले कुछ वर्षों में विदेशी ऋण की संरचना बदल कर निजी ऋण के पक्ष में हो गई है। गैर-सरकारी ऋण मार्चांत 1995 में 39,506 मिलियन अमरीकी डालर (कुल ऋण का 39.9 प्रतिशत) से निरंतर बढ़कर सितंबर-अंत 2006 में 90,120 मिलियन अमरीकी डालर (66 प्रतिशत) हो गया। तदनुसार, सरकारी ऋण ने इस अवधि के दौरान गिरावट दर्शायी है जो 59,502 मिलियन अमरीकी डालर (कुल विदेशी ऋण का 60.1 प्रतिशत) से गिरकर 46,396 मिलियन अमरीकी डालर (34 प्रतिशत) हो गया **(चित्र 2)**।

चित्र-2 सरकारी और गैर-सरकारी विदेशी ऋण का भाग

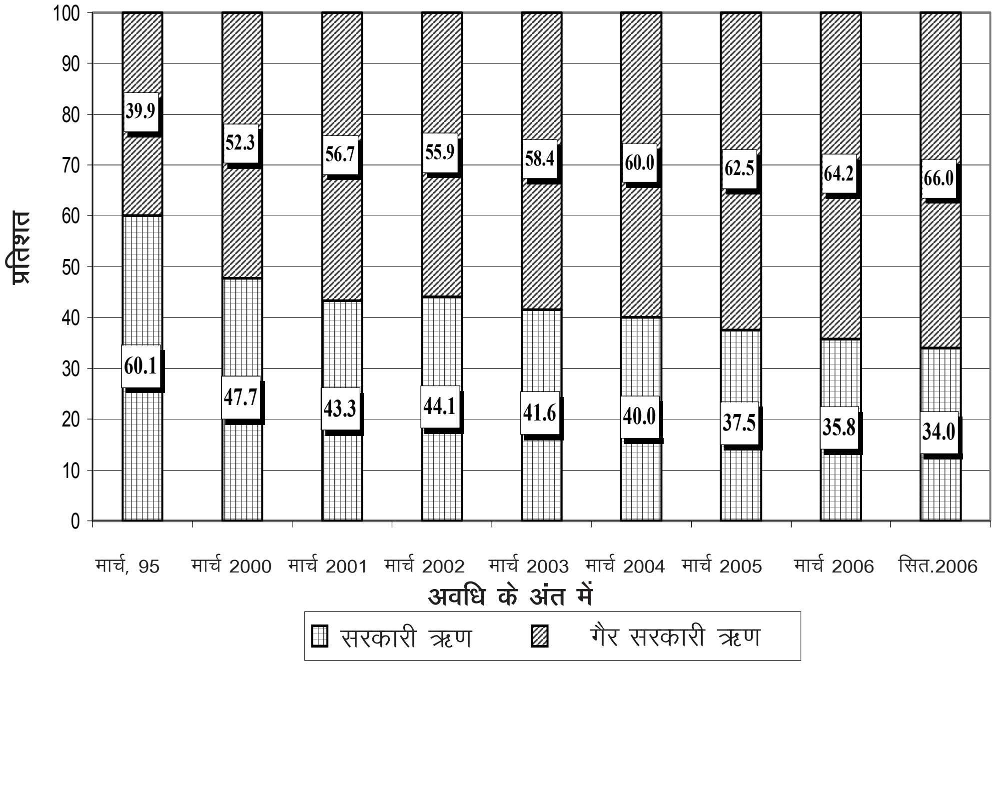

3. विदेशी ऋण संकेतक

3.1 स.घ.उ. के संदर्भ में विदेशी ऋण का अनुपात जो मार्च, 2005 के अंत में 17.3 प्रतिशत था, गिरकर मार्च,2006 के अंत में 15.8 प्रतिशत रह गया। सकल विदेशी चालू प्राप्तियों के अनुपात के रूप में ऋण शोधन 2004-05 के 6.1 प्रतिशत से बढ़कर 2005-06 में 10.2 प्रतिशत हो गया, जोकि मुख्यतः इंडिया मिलेनियम डिपाजिट के मोचन भुगतानों के कारण हुआ। कुल ऋण में अल्पावधिक ऋण का अनुपात मार्च अंत 2006 के 7.0 प्रतिशत से बढ़कर सितम्बर 2006 के अंत में 7.8 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार, इस अवधि में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में अल्पावधिक ऋण का अनुपात 6.0 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गया **(सारणी-2)** ।

सारणी 2: भारत के प्रमुख विदेशी ऋण संकेतक

(अनुपात प्रतिशत में)

अनुपात	(निम्नलिखित के अंत में) मार्च								
	1995	2000	2001	2002	2003	2004 (सं.)	2005 (सं.)	2006 (सं.)	2006 (त्व.अ)
1. सकल घरेलू उत्पाद में विदेशी ऋण	30.8	22.1	22.4	21.1	20.4	17.8	17.3	15.8	-
2. चालू प्राप्तियों में ऋण शोधन	25.9	17.1	16.2	13.6	16.0	15.9	6.1	10.2	-
3. कुल ऋण के प्रति अल्पावधि	4.3	4.0	3.6	2.8	4.5	4.0	6.1	7.0	7.8
4. विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों के प्रति अल्पावधि ऋण	20.5	11.2	9.2	5.4	6.5	4.1	5.6	6.0	6.7
5. कुल ऋण के प्रति रियायती ऋण	45.3	38.9	35.4	35.9	36.8	36.1	33.0	31.2	29.3

** त्व.अ - त्वरित अनुमान, सं.-संशोधित, * अधूरे वर्ष के लिए परिकलित नहीं किए गए।*

4. विदेशी ऋण और विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ

4.1 भारत का विदेशी मुद्रा भंडार जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, स्वर्ण,एसडीआर तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित ट्रांश स्थिति शामिल है, सितम्बर, 2006 की स्थिति के अनुसार 165.3 बिलियन अमरीकी डालर था। भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, 30 सितम्बर, 2006 की स्थिति के अनुसार 158.3 बिलियन अमरीकी डालर थी जो कुल विदेशी ऋण स्टाक को लगभग 116 प्रतिशत का कवर मुहैया करा रही थी।

5. मुद्रा संरचना

5.1 भारत के विदेशी ऋण पोर्टफोलियो में अमरीकी डालर प्रमुख मुद्रा बना हुआ है। देश के ऋण स्टाक में अमरीकी डालर का हिस्सा मार्च अंत 2006 के 45.4 प्रतिशत से और बढ़कर सितम्बर अंत 2006 में 46.7 प्रतिशत हो गया **(सारणी 3) (चित्र 3)**।

सारणी 3 : भारत के विदेशी ऋण की मुद्रा संरचना

(कुल विदेशी ऋण का प्रतिशत)

मुद्रा	निम्नलिखित अवधि के अन्त में					
	मार्च 2002	मार्च 2003	मार्च 2004 सं	मार्च 2005	मार्च 2006 सं	सितम्बर 2006 त्व.अ.
अमरीकी डालर	54.3	46.3	40.4	44.3	45.4	46.7
एसडीआर	14.1	15.2	15.6	15.3	14.9	14.4
भारतीय रुपया	11.9	17.4	22.7	21.1	19.8	19.0
जापानी येन	10.2	10.8	11.7	11.2	12.2	12.0
यूरो	5.7	6.2	5.8	4.9	4.5	4.7
पाउण्ड स्टर्लिंग	2.9	3.1	3.4	2.8	2.8	2.9
अन्य	0.9	1.0	0.4	0.4	0.4	0.3
जोड़	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

सं0 : संशोधित *त्व.अ. : त्वरित अनुमान*

चित्र -3 सितम्बर-अंत 2006 में भारत के विदेशी ऋण की मुद्रा संरचना

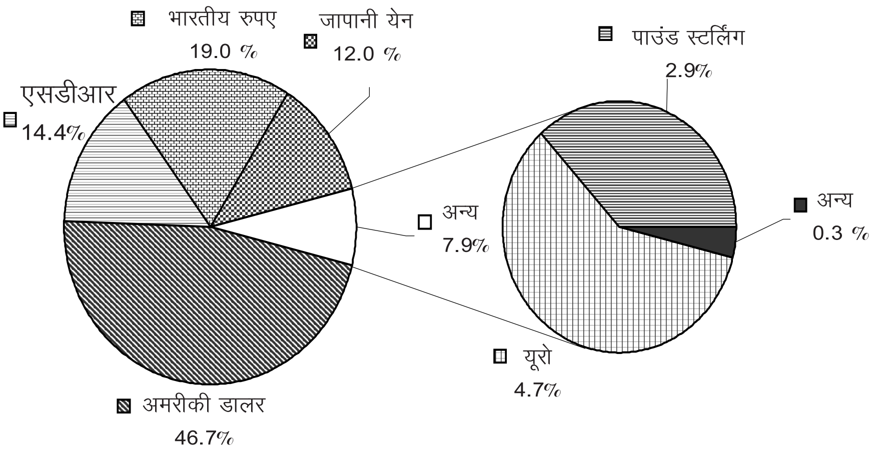

6. विदेशी ऋण प्रबन्धन

6.1 विदेशी ऋण को नियंत्रणीय सीमाओं के भीतर बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा विवेकपूर्ण विदेशी ऋण प्रबंधन नीतियों का पालन किया जाता है। इनमें रियायती शर्तों पर तथा दीर्घावधि परिपक्वताओं वाले कम खर्चीले स्रोतों से निधियां जुटाने पर बल देना,अल्प अवधि वाले ऋणों की मानीटरिंग करना, उच्च लागत वाले ऋणों की समय-पूर्वअदायगी करना, अनिवासी भारतीय जमाराशियों की ब्याज दरों का यौक्तिकीकरण करना, विदेशी वाणिज्यिक उधारों के अंतिम प्रयोग को नियंत्रित करना, व्यापार ऋणों को सीमित करना तथा ऋण सृजित न करने वाले पूंजी प्रवाहों को प्रोत्साहित करना शामिल है।

अनुबंध - I

भारत का बकाया विदेशी ऋण (त्रैमासिक स्थिति)

(करोड़ रुपए)

	अवधि के अन्त में					
	जून 2005 सं.	सित. 05 सं.	दिस. 05 सं.	मार्च 06 सं.	जून 06 सं.	सित. 06 त्व.अ.
I. बहुपक्षीय	136,571	138,613	144,009	145,503	153,678	**165,212**
क. सरकारी उधार	125,547	127,293	132,455	133,800	141,701	**142,237**
(i) रियायती	101,957	102,692	105,684	105,853	111,859	**111,627**
(क) आई.डी.ए.	100,587	101,307	104,295	104,457	110,392	**110,160**
(ख) अन्य	1,370	1,385	1,389	1,396	1,467	**1,467**
(ii) गैर-रियायती	23,590	24,601	26,771	27,947	29,842	**30,610**
(क) आई.बी.आर.डी.	16,960	17,640	18,760	19,625	20,848	**21,149**
(ख) अन्य	6,630	6,961	8,011	8,322	8,994	**9,461**
ख. गैर-सरकारी उधार	11,024	11,320	11,554	11,703	11,977	**22,975**
(i) रियायती	0	0	0	0	0	**0**
(ii) गैर-रियायती	11,024	11,320	11,554	11,703	11,977	**22,975**
(क) सरकारी क्षेत्र	7,864	8,124	8,227	8,509	8,742	**10,780**
(i) आई.बी.आर.डी.	4,368	4,459	4,516	4,594	4,726	**4,777**
(ii) अन्य	3,496	3,665	3,711	3,915	4,016	**6,003**
(ख) वित्तीय संस्थाएं	2,788	2,741	2,770	2,629	2,689	**6,523**
(i) आई.बी.आर.डी.	396	371	375	630	649	**639**
(ii) अन्य	2,392	2,370	2,395	1,999	2,040	**5,884**
(ग) निजी क्षेत्र	372	455	557	565	546	**5,672**
(i) आई.बी.आर.डी.	0	0	0	0	0	**0**
(ii) अन्य	372	455	557	565	546	**5,672**
II. द्विपक्षीय	71,371	70,403	70,718	70,272	73,463	**72,297**
क. सरकारी उधार	55,159	54,555	54,356	54,593	57,004	**56,053**
(i) रियायती	55,038	54,433	54,231	54,468	57,004	**56,053**
(ii) गैर-रियायती	121	122	125	125	...	...
ख. गैर-सरकारी उधार	16,212	15,848	16,362	15,679	16,459	**16,244**
(i) रियायती	7,143	7,060	6,992	6,949	7,292	**7,153**
(क) सरकारी क्षेत्र	5,400	5,344	5,292	5,285	5,527	**5,442**
(ख) वित्तीय संस्थाएं	1,743	1,716	1,700	1,664	1,765	**1,711**
(ग) निजी क्षेत्र	0	0	0	0	0	**0**
(ii) गैर-रियायती	9,069	8,788	9,370	8,730	9,167	**9,091**
(क) सरकारी क्षेत्र	4,030	3,930	3,842	3,628	3,892	**3,703**
(ख) वित्तीय संस्थाएं	2,702	2,616	2,583	2,386	2,499	**2,393**
(ग) निजी क्षेत्र	2,337	2,242	2,945	2,716	2,776	**2,995**
III. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष	0	0	0	0	0	**0**
IV. निर्यात ऋण	22,903	22,829	23,441	24,075	25,375	**26,024**
क) क्रेता ऋण	14,286	14,361	15,498	16,011	17,030	**17,849**
ख) आपूर्तिकर्ता ऋण	3,830	3,734	3,227	3,328	3,388	**3,301**
ग) द्विपक्षीय ऋण का निर्यात ऋण संघटक	4,787	4,734	4,716	4,736	4,957	**4,874**
घ) सुरक्षा खरीदों हेतु निर्यात ऋण	0	0	0	0	0	**0**
V. वाणिज्यिक उधार	121,659	128,915	105,911	119,763	143,322	**149,180**
क) वाणिज्यिक बैंक ऋण #	62,171	65,335	67,890	73,111	83,875	**87,725**
ख) प्रतिभूतिकृत उधार ##	55,856	59,928	34,566	43,299	55,399	**57,439**
ग) बहुपक्षीय/द्विपक्षीय गारंटी+ आई.एफ.सी. (डब्ल्यू)सहित ऋण/ प्रतिभूतिकृत उधार आदि	3,632	3,652	3,455	3,353	4,048	**4,016**
घ) स्व-परिशोधक ऋण	0	0	0	0	0	**0**
VI. एन.आर.आई. जमाराशियां@ (एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाली)	142,425	144,556	149,792	156,715	164,298	**168,025**

(करोड़ रुपए)

		अवधि के अन्त में					
		जून 2005 सं.	सित. 05 सं.	दिस. 05 सं.	मार्च 06 सं.	जून 06 सं.	सित. 06 त्व.अ.
VII.	**रुपया ऋण***	9,337	9,329	9,330	9,064	8,833	**8,827**
	क) रक्षा	8,179	8,173	8,174	7,992	7,789	**7,783**
	ख) असैनिक	1,158	1,156	1,156	1,072	1,044	**1,044**
VIII.	**कुल दीर्घावधिक ऋण (I से VII)**	504,266	514,645	503,201	525,392	568,969	**589,565**
IX.	**अल्पावधिक ऋण**	31,157	36,437	40,248	39,199	41,960	**48,616**
	क) एन.आर.आई. जमाराशियां (एक वर्ष तक की परिपक्वता वाली)	0	0	0	0	0	**0**
	ख) अन्य (व्यापार-संबंधी)**	31,157	36,437	40,248	39,199	41,960	**48,616**
	जिनमें, 6 माह से अधिक के अल्पावधिक ऋण	31,157	36,437	40,248	39,199	41,960	**48,616**
X.	**सकल जोड़ (VIII+IX)**	535,423	551,082	543,449	564,591	610,929	**638,181**
	ज्ञापन मदः						
	रियायती ऋण ***	173,475	173,514	176,237	176,334	184,988	**183,660**

त्व.अ. *त्वरित अनुमान*

सं. : *संशोधित*

अ. *अनन्तिम*

आई.एफ.सी. (डब्ल्यू): अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (वाशिंगटन)

\# *इसमें 1996 से वित्तीय पट्टा (लीज) शामिल है।*

\## *इसमें इंडिया डेवलपमेंट बांड (आईडीबी), रिसर्जेन्ट इंडिया बॉड्स (आर.आई.बी.), इण्डिया मिलेनियम बाण्ड (आई एम डी) शामिल है; विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड (एफ.सी.सी.बी.) और एफ.आई.आई. द्वारा ऋण लिखतों में किया गया निवल निवेश भी शामिल है।*

एफ.सी.सी.बी. ऋण को इक्विटी और मोचन में रुपान्तरण को घटाने के बाद मार्च 1998 के अन्त के बाद से समायोजित कर दिया गया है।

@ *आंकड़ों में उपचित ब्याज शामिल है।*

* *रूस को देय तथा निर्यात के माध्यम से अदा किया जाने वाला रुपये में मूल्यवर्गित ऋण।*

** *इसमें 180 दिन तक के लिए आपूर्तिकर्ता ऋण शामिल नहीं हैं।*

*** *यहां रियायती ऋण की परिभाषा में मद VII के अधीन बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय ऋण और रुपया ऋण के तहत रियायती श्रेणियां शामिल हैं।*

स्रोत : *वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), रक्षा मंत्रालय, भारतीय रिज़र्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड।*

अनुबंध - II

भारत का बकाया विदेशी ऋण (त्रैमासिक स्थिति)

(मिलियन अमरीकी डालर)

	अवधि के अन्त में					
	जून 2005 सं.	सित. 05 सं.	दिस. 05 सं.	मार्च 06 सं.	जून 06 सं.	सित. 06 त्व.अ.
I. बहुपक्षीय	31,331	31,425	31,799	32,559	33,101	33,594
क. सरकारी उधार	28,802	28,858	29,246	29,940	30,519	30,955
(i) रियायती	23,390	23,281	23,335	23,686	24,092	24,293
(क) आई.डी.ए.	23,076	22,967	23,028	23,374	23,776	23,974
(ख) अन्य	314	314	307	312	316	319
(ii) गैर-रियायती	5,412	5,577	5,911	6,254	6,427	6,662
(क) आई.बी.आर.डी.	3,891	3,999	4,142	4,392	4,490	4,603
(ख) अन्य	1,521	1,578	1,769	1,862	1,937	2,059
ख. गैर-सरकारी उधार	2,529	2,567	2,553	2,619	2,582	2,639
(i) रियायती	0	0	0	0	0	0
(ii) गैर-रियायती	2,529	2,567	2,553	2,619	2,582	2,639
(क) सरकारी क्षेत्र	1,804	1,842	1,817	1,904	1,883	1,943
(i) आई.बी.आर.डी.	1,002	1,011	997	1,028	1,018	1,040
(ii) अन्य	802	831	820	876	865	903
(ख) वित्तीय संस्थाएं	640	621	612	588	580	573
(i) आई.बी.आर.डी.	91	84	83	141	140	139
(ii) अन्य	549	537	529	447	440	434
(ग) निजी क्षेत्र	85	104	124	127	119	123
(i) आई.बी.आर.डी.	0	0	0	0	0	0
(ii) अन्य	85	104	124	127	119	123
II. द्विपक्षीय	16,376	15,965	15,623	15,727	15,834	15,734
क. सरकारी उधार	12,654	12,368	12,002	12,216	12,278	12,199
(i) रियायती	12,626	12,340	11,974	12,188	12,278	12,199
(ii) गैर-रियायती	28	28	28	28	0	0
ख. गैर-सरकारी उधार	3,722	3,597	3,621	3,511	3,556	3,535
(i) रियायती	1,639	1,601	1,544	1,555	1,571	1,557
(क) सरकारी क्षेत्र	1,239	1,212	1,168	1,183	1,191	1,184
(ख) वित्तीय संस्थाएं	400	389	376	372	380	373
(ग) निजी क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
(ii) गैर-रियायती	2,083	1,996	2,077	1,956	1,985	1,978
(क) सरकारी क्षेत्र	926	893	852	813	843	806
(ख) वित्तीय संस्थाएं	620	594	572	534	540	521
(ग) निजी क्षेत्र	537	509	653	609	602	651
III. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष	0	0	0	0	0	0
IV. निर्यात ऋण	5,262	5,187	5,196	5,395	5,498	5,663
क) क्रेता ऋण	3,283	3,265	3,439	3,589	3,695	3,884
ख) आपूर्तिकर्ता ऋण	881	849	716	746	735	718
ग) द्विपक्षीय ऋण का निर्यात ऋण संघटक	1,098	1,073	1,041	1,060	1,068	1,061
घ) सुरक्षा खरीदों हेतु निर्यात ऋण	0	0	0	0	0	0
V. वाणिज्यिक उधार	27,958	29,306	23,502	26,849	31,099	32,462
क) वाणिज्यिक बैंक ऋण #	14,287	14,853	15,065	16,390	18,200	19,089
ख) प्रतिभूतिकृत उधार ##	12,836	13,623	7,670	9,707	12,021	12,499
ग) बहुपक्षीय/द्विपक्षीय गारंटी+ आई.एफ.सी. (डब्ल्यू)सहित ऋण/ प्रतिभूतिकृत उधार आदि	835	830	767	752	878	874
घ) स्व-परिशोधक ऋण	0	0	0	0	0	0
VI. एन.आर.आई. जमाराशियां@ (एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाली)	32,730	32,861	33,239	35,134	35,651	36,563

(मिलियन अमरीकी डालर)

		अवधि के अन्त में					
		जून 2005 सं.	सित. 05 सं.	दिस. 05 सं.	मार्च 06 सं.	जून 06 सं.	सित. 06 त्व.अ.
VII.	**रुपया ऋण***	2,146	2,120	2,069	2,031	1,915	1,921
	क) रक्षा	1,880	1,858	1,814	1,791	1,690	1,694
	ख) असैनिक	266	262	255	240	225	227
VIII.	**कुल दीर्घावधिक ऋण (I से VII)**	115,803	116,864	111,428	117,695	123,098	125,937
IX.	**अल्पावधिक ऋण**	7,160	8,283	8,816	8,696	9,105	10,579
	क) एन.आर.आई.जमाराशियां (एक वर्ष तक की परिपक्वता वाली)	0	0	0	0	0	0
	ख) अन्य (व्यापार-संबंधी)**	7,160	8,283	8,816	8,696	9,105	10,579
	जिनमें, 6 माह से अधिक के अल्पावधिक ऋण	7,160	8,283	8,816	8,696	9,105	10,579
X.	**सकल जोड़ (VIII+IX)**	122,963	125,147	120,244	126,391	132,203	136,516
	ज्ञापन मदः						
	रियायती ऋण ***	39,801	39,342	38,922	39,460	39,856	39,970

त्व.अ. *त्वरित अनुमान*

सं. : *संशोधित*

आई.एफ.सी. (डब्ल्यू): *अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (वाशिंगटन)*

\# *इसमें 1996 से वित्तीय पट्टा (लीज) शामिल है।*

\## *इसमें इंडिया डेवलपमेंट बांड (आईडीबी), रिसर्जेन्ट इंडिया बाँड्स (आर.आई.बी.), इंडिया मिलेनियम बांड (आई एम डी), विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड (एफ.सी.सी.बी.) और एफ.आई.आई. द्वारा ऋण लिखतों में किया गया निवल निवेश शामिल है।*

एफ.सी.सी.बी. ऋण को इक्विटी और मोचन में रुपान्तरण को घटाने के बाद मार्च 1998 के बाद से समायोजित कर दिया गया है।

@ *आंकड़ों में उपचित ब्याज शामिल है।*

* *रूस को देय तथा निर्यात के माध्यम से अदा किया जाने वाला रुपया मूल्यवर्गित ऋण।*

** *इसमें 180 दिन तक के लिए आपूर्तिकर्ता ऋण शामिल नहीं हैं।*

*** *यहां रियायती ऋण की परिभाषा में मद VII के अधीन बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय ऋण और रुपया ऋण के तहत रियायती श्रेणियां शामिल हैं।*

स्रोत : *वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), रक्षा मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड।*